Bridge over Yamuna near I.T.O.

1671. SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE:

SHRI ASHWANI KUMAR:

Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether technical feasibility of the proopsal for construction of second bridge over river Yamuna in Delhi near ITO has been gone into by Delhi Administration and Central Government;

(b) if so, the findings and decision thereon; and

(c) whether there is any alternative proposal under consideration to meet the traffic requirement mentioned above; if so, what it is?

THE MINISTER OF SURFACE TRANSPORT (SHRI K. P. UNNIKRISHNAN): (a) Yes, Sir. Delhi Administration who are responsible for the proposed bridge have completed its feasibility study.

(b) The project has been agreed to in principle.

(c) Since the proposal for a second bridge at the said location has been accepted in priciple, no alternative proposal is under consideration.

प्रैस काऊंसिल के समक्ष समाचार पत्रों तथा पत्रकारों के विरुद्ध शिकायतें

1672. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले दो महीनों के दौरान जिन लोगों ने प्रैस काऊंसिल के समक्ष समाचार पत्रों तथा पत्रकारों के विरुद्ध शिकायतें दर्ज की हैं उनके नाम क्या-क्या हैं तथा उन समाचार पत्रों और पत्रकारों के नाम क्या-क्या हैं जिनके विरुद्ध शिकायतें की गई हैं ; और

(ख) उनका ब्यौरा क्या है तथा इस संबंध में क्या कार्यवाही की गई है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री पी० उपेन्द्र) : (क) और (ख) अपेक्षित सूचना दर्शाने वाला विवरण संलग्न है। (**देखिये परिशिष्ट 155 अनुपत्र संख्या 52**)

राजभाषा हिन्दी

1973. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या **गृह** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने राजभाषा हिन्दी में काम करने वाले सरकारी कर्मचारियों को प्रोत्साहन देने के लिए कोई विशेष योजना बनाई है; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुबोध कांत सहाय) : (क) और (ख) सरकारी कामकाज मूल रूप से हिन्दी में करने के लिए एक प्रोत्साहन योजना चलाई गई है जिसका विस्तृत विवरण संलग्न है । इसके अतिरिक्त उन आशुलिपिकों और टाइपिस्टों को जो अंग्रेजी आशुलिपिटाइप जानते हैं और अंग्रेजी के अतिरिक्त हिन्दी में भी अपना सरकारी कार्य करते हैं क्रमश: 60 रु. और 40रु. प्रति माह विशेष भत्ता देने की भी प्रोत्साहन योजना है । मंत्रालयों/विभागों को यह भी निर्देश है कि वे प्रतिवर्ष एक ऐसे अधिकारी को भी पुरस्कार के लिए चुनें जो साल में सबसे अधिक डिक्टेशन हिन्दी में दे ।